Demand of Trained Personnel in the Hotel Industry

3386. MISS SAROJ KHAPARDE: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) what is the present estimated demand of trained personnel in the hotel industry in the country;

(b) what is the number of catering institutes set up in the country till date for training the personnel required for the hotel industry and the number of trained personnel at present;

(c) whether Government propose to set up more such institutes; and

(d) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) As per the Report of the National Committee on Tourism, the Annual requirement of trained personnel in the accommodation and hospitality sector is estimated at 28,000.

(b) At present there are 16 diploma level Institutes of Hotel Management and 15 Foodcraft Institutes imparting training in craft level courses. The combined outturn of trained manpower by the Government/privately run training establishments in the accommodation and hospitality sector is about 8500 per year;

(c) and (d) Yes, Sir. Efforts of the Government are to set up Institutes at places where such facilities are not presently available.

Construction of Hotels in Rural, Hilly and Pilgrim Areas

3387. MISS SAROJ KHAPARDE : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state :

(a) whether Government have taken any steps so far to give impetus to the construction of hotels in rural, hilly and pilgrim areas in the country; and

.(b) if so, what are the details thereof ?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI AZAD) : (a) and (b) To encourage development of tourism infrastructure in remote regions, income tax deduction at the rate of 50 per cent is admissible for new eligible hotels in a hilly area, rural area, place of pilgrimage or such other place as the Government may specify. Such hotels are exempt from Expenditure Tax for a period of 10 years commencing from 1-4-1991.

Other incentives/concessions include interest subsidy for 1-3 star hotels and Heritage hotels, concessional customs duty on imports for initial setting up or substantial expansion of a hotel.

Import of Civilian Aircraft for Indian Airlines and Air India

3388. SHRI KAMAL MORARKA : Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state ;

(a) whether Government propose to import a number of civilian aircraft to meet the demands of Indian Airlines and Air India;

(b) if so, what are the details thereof;

(c) whether his Ministry has proposed to HAL for the manufacture of civilian aircraft indigenously;

(d) if so, what is their reaction thereto;

(e) whether it is also a fact that foreign collaboration is being sought in this venture; and

(f) if so, what are the details thereof ?

THE, MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI GHULAM NABI .AZAD) : (a) and (b) Air India will be acquiring four Boeing 747-400 aircraft; three in 1993 and one in 1994. Indian Airlines will be acquiring 12 A-320 aircraft; seven aircraft will be delivered in 1993 and five in 1994; the first of such aircraft has already arrived.

(c) to (f) : Orders for supply of the aircraft mentioned in the reply at (a) above.

were placed several years ago. The question of indigenous manufacture of these aircraft at present does not arise.

भारत अन्तर राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण का विलय

3389. **श्री अनन्तराय देवशंकर दवे :**

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत अन्तर्राष्ट्रीय विमान-पत्तन प्राधिकरण के साथ राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण के विलय करने का कोई प्रस्ताव है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) इसके परिणामस्वरूप भारतीय सिविल विमानपत्तनों को क्या लाभ होगा; और

(घ) यह प्रस्ताव किस चरण में है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्री (श्री गुलाम नबी आजाद) : (क) से (ग) सरकार का राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण और भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधि-करण के विलय का प्रस्ताव है। इसके मुख्य उद्देश्य इस प्रकार हैं :—

(1) एकल प्राधिकरण द्वारा बेहतर समन्वय,

(2) हवाई यातायात नियन्त्रण और संचार प्रणाली सहित सभी पहलुओं में हवाई अड्डे की आधार-भूत सुविधाओं के एकीकृत विकास को बढ़ावा देने हेतु संसाधनों का सर्वोत्तम उपयोग,

(3) एकल एकीकृत प्राधिकरण द्वारा अधिक संसाधनों को जुटाना,

(4) सुधरीकृत कार्यक्षमता के लिए हवाई अड्डा डिजाइन, योजना और प्रबन्ध संसाधनों के एकीकरण के संबंध में विशेषज्ञों का बेहतर उपयोग।

(घ) विलयन के लिए इस समय एक विधेयक का प्रारूप तैयार किया जा रहा है और इसे यथासमय संसद में प्रस्तुत कर दिया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश में उप-डाकघरों में कार्य-रत अंशकालिक कर्मचारियों की सेवाओं का नियमन

3390. **श्री महेश्वर सिंह :**

क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार हिमाचल प्रदेश में रोहड़ू, जांगला और चिड़गांव के उप-डाकघरों में कार्यरत अंशकालिक कर्मचारियों की सेवाओं को नियमित करने का विचार रखती है;

(ख) यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) सरकार ने अब तक कितने कर्म-चारियों को नियमित किया है, यदि हां, तो कितने समय बाद और किन नियमों के अधीन उन्हें नियमित किया गया है;

(घ) क्या सरकार को इस तथ्य की जानकारी है कि आज भी इन उप-डाकघरों में टेलीग्राम शिमला से डाक द्वारा प्राप्त होता है, यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ङ) क्या सरकार जनता की समस्याओं को देखते हुए भविष्य में रोहड़ू चिड़गांव और जांगला के लिए शिमला से सीधी टेलीग्राम व्यवस्था करने का विचार रखती है जिससे लोगों को अपने जरूरी संदेश समय पर पर मिल सकें?

संचार मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सुखराम) : (क) जी नहीं।

(ख) अंशकालिक नैमित्तिक मजदूर नियमित नियुक्ति के लिए अतिरिक्त